

DPN 6061

Title: स्कन्द पुराण काशी खण्ड SKANDA PURĀṆA KĀŚĪ KHANDA

Run. No. 6752

Cat. No. 89

Micro. No.

Subject *गुण पुराण*

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 45 x 11

Folios 5

Lines (in a page) 10

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

प्रशुपतिमान प्र.माय

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Prasupatiman Pr. māya

Script: New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu / one side yellow

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ श्री कशीपराय नमः ॥ महाशयः महेश्वरः सत्यं वदतु ॥ ०.००
→ इति स्कन्द पुराणे काशी खण्डे सत्यं वदतु . . .

काशी

[illegible]

३

[illegible]

[illegible]

स्थितिनिष्ठः ॥ मया च विष्णुना सार्द्धं शिवं न वमरुषि रिति ॥ शिवार्यं ॥ गुरुणा त्रिह्यं चार्थं न निविधीयते ॥ गवामद्वयं यमुनु गवाम् ॥ अथ वामास्यर्द्धं ॥ नात्रात्रयं नित्याज्ञानि गवामद्वयं नरायणं वा
 ना ॥ अलंकी ॥ कलं हा वागं ॥ सुस्याहं या निदु नो ॥ गमरि द्विष्ये वदं ॥ सती हि ॥ सयवादि हि ॥ अलं द्वे द्वे न जीलेष्व ॥ सकलि दायो न मही ॥ मम ला का ल्य ना ला का वेद ॥ ०० ॥ ति गी
 येन ॥ गस्या यत्रिहा लोमात्र उमा ला क सुग ॥ यत्र ॥ शिव ला क सुदू यत्रि ॥ गला क सुस्मी यत्र ॥ गमा गत्र ॥ सुही ला शी सुग स नि नि वयि या ॥ गवां शुं कष का य व ॥ गाय दाय व मा न वा ॥
 त्रयामि च न म ला के ॥ गस्या ॥ सर्वे समृद्धय ॥ यत्र द्वा त्र व ल न या ॥ यत्र पाय सकर्द मा ॥ न उ वा न व ग य त ॥ गगु न द्वा नि ॥ गाय द ॥ ॥ ॥ हि सु नि य त्र व ल ॥ वा द्वा ॥ ॥ यत्रि की र्ति ना ॥ गदू का वा य व
 त्र ॥ ०० ॥ त्र व ना म धा त्र का ॥ ॥ ॥ हि सु गी तु न ग द ॥ यत्र व र्ण दू य र्म ॥ ॥ ॥ हि सु नि र्था ली ना न्ध ॥ का व ॥ ॥ स्या द क या वि ना ॥ यत्र व र्ण ना द्वा द्वा ना ॥ का व ॥ ॥ अथ पि ना व र्ण ॥ ॥ हि सु र्था दि ना ॥
 धर्म ॥ यत्रा ॥ ॥ यत्रि य ॥ ॥ ॥ गदू का वा य ॥ गे द ॥ या ॥ सर्वे प्रसव मिदु ना ॥ न द या दि उ मा ग य ॥ दा ना र्म सा य ॥ धा न य त ॥ यत्र धर्म सि डि क्ति सा ॥ ये स्या या या दू य मरु त ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण
 नि ॥ धर्म मू ला नि न वे ॥ वरु द्वा ॥ सू वि द्या सु ॥ यत्रा व न्दी य ड ॥ रु म धा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥ वरु द्वा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥
 म ला क य र्म ॥ ॥ सदा ॥ ॥ सदा ॥ ॥ म नू ला वि ॥ ॥ ॥ वरु द्वा ॥ ॥ यत्रा व न्दी य ड ॥ रु म धा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥ वरु द्वा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥
 अथ विरु वि ॥ ॥ ॥ अवि मु क म द्वा द्वा ॥ सर्वे र्मा मु कि र्मु क ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥ वरु द्वा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥ वरु द्वा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥
 लरु द्वा ॥ ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥ वरु द्वा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥ वरु द्वा ॥ ॥ अथि न ग द ला क ॥ र्म सा वा द्वा क वि न्द न ॥ ॥ ॥ गद्या नि य त्र व र्ण नि ॥

